"एआई द्वारा उत्पन्न रोजगार संकट से मध्यवर्गीय पारिवारिक जीवन पर प्रभाव" का अध्ययन

Mahendra Singh, Research Scholar, Madhav University, Abu Road Pindwada, Sirohi, mahendrasinghalm12@gmail.com

शोध सार

जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के कारण उत्पन्न हो रहे आर्थिक और सामाजिक परिवर्तनों के प्रभावों का विश्लेषण किया गया है। एआई और स्वचालन ने कई उद्योगों में कार्यशक्ति को प्रतिस्थापित किया है, जिसके परिणामस्वरूप पारंपरिक रोजगार के अवसरों में कमी आई है। इसका सबसे बड़ा प्रभाव मध्यवर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है, जो स्थिर और नियमित आय के लिए पारंपरिक नौकरियों पर निर्भर रहते हैं। स्वचालन और रोबोटिक्स के कारण कई नौकरियां समाप्त हो गई हैं, जिससे बेरोज़गारी और आय में कमी की समस्या उत्पन्न हो रही है।

मध्यवर्गीय परिवारों के लिए यह आर्थिक असुरक्षा, जीवनशैली में बदलाव और मानसिक तनाव का कारण बन रहा है। आय में कमी से बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति में कठिनाई उत्पन्न हो सकती है। साथ ही, पारिवारिक रिश्तों में तनाव, मानसिक दबाव और सामाजिक असंतोष भी बढ़ सकता है। इस प्रकार का संकट सामाजिक असमानता और असुरक्षा का माहौल उत्पन्न कर सकता है, जिससे व्यक्तिगत आत्मसम्मान और सामाजिक पहचान पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

शोध में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि इस संकट से निपटने के लिए कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और स्वतंत्र उद्यमिता जैसे उपाय महत्वपूर्ण हो सकते हैं। शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से परिवारों के सदस्य नई तकनीकी नौकरियों के लिए तैयार हो सकते हैं। इसके अलावा, सरकार को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को सशक्त बनाना चाहिए, ताकि परिवार आर्थिक संकट से निपट सकें। स्वतंत्र व्यवसाय और उद्यमिता को बढ़ावा देने से भी परिवारों को रोजगार संकट से बचने का अवसर मिल सकता है।

इस शोध का उद्देश्य यह बताना है कि एआई के प्रभावों को कम करने के लिए सरकार, उद्योग और समाज को मिलकर प्रयास करना चाहिए, ताकि मध्यवर्गीय परिवारों की स्थिति को सुधारा जा सके।